हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 161 | प्रयागराज, गुरुवार 22 सितम्बर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

प्रधानमंत्री मोदी सहित कई नेताओं ने राजू श्रीवास्तव के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने बुधवार को हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त किया। राजू श्रीवास्तव का आज सुबह दिल्ली के एम्स में निधन हो गया, जहां 40 दिन अधिक समय से उनका इलाज चल रहा था। वह कुछ समय तक समाजवादी पार्टी का हिस्सा रहने के बाद 2014 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। दिल्ली के एक होटल में व्यायाम करते समय 10 अगस्त को उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इसके बाद उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया, जहां उनकी 'एंजियोप्लास्टी' की गई थी। तभी से वह जीवन रक्षक उपकरणों पर थे और होश में नहीं आए। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ''राजू श्रीवास्तव ने हंसी, हास्य और सकारात्मकता के साथ हमारे जीवन को रोशन किया। वह बहुत जल्दी हमें छोड़कर चले गए लेकिन अपने समृद्ध काम के जरिए वह अनगिनत लोगों के दिलों में बसे रहेंगे।''उन्होंने कहा, ''उनका निधन बेदह दुखद है। उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।' रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक ट्वीट में कहा, ''सुप्रसिद्ध हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव के निधन से मुझे गहरा दुःख हुआ है। वह एक मंजे हुए कलाकार होने के साथ–साथ बेहद जिंदादिल इंसान भी थे। सामाजिक क्षेत्र में भी वे काफी सक्रिय रहते थे। उनके शोकाकुल परिवार एवं प्रशंसकों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।'' गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राजू श्रीवास्तव का एक विशिष्ट अंदाज था और अपनी अद्भुत प्रतिभा से उन्होंने सभी को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, ''उनका निधन कला जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। मैं उनके परिजन व प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें यह दुःख सहने की शक्ति दें।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि राजू श्रीवास्तव के निधन का समाचार सुनकर वह निःशब्द हो गए। उन्होंने कहा, ''राजू श्रीवास्तव ने हास्य कला की दुनिया में अपनी एक अलग छाप छोड़ी। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजन एवं प्रशंसकों के साथ हैं।''सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने श्रीवास्तव को एक बेहतरीन कलाकार और जिंदादिल इंसान बताया और कहा कि अपनी कला व प्रतिभा से वह अनेकों कलाकारों के प्रेरणास्रोत बनें। उन्होंने कहा, ''राजू श्रीवास्तव का निधन दुःखद है। उनका जाना हास्य कला की एक विधा के युग का समापन है, उनके निधन से हुई रिक्तता की भरपाई सम्भव नहीं है। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोकाकुल परिवार व उनके प्रशंसकों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, '' मशहूर हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव का निधनकृकृ बेहद दुखद। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। इस दुख की घड़ी में उनके परिजन एवं सभी प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, '' अपनी अभिनव कला दक्षता द्वारा जीवनपर्यंत सभी का मनोरंजन करने वाले राजू श्रीवास्तव का निधन अत्यंत दुःखद है। शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करता हूं।

फगवाड़ा की लवली प्रोफेशन यूनिवर्सिटी में केरल के छात्र ने की आत्महत्या, स्टूडेंट्स के रोष प्रदर्शन के बाद पुलिस तैनात

चंडीगढ़। पंजाब के फगवाड़ा में एक निजी विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष के छात्र ने आत्महत्या कर ली, जिसके विरोध में साथी छात्रों ने परिसर में प्रदर्शन किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केरल से आया छात्र लवली प्रोफेशन यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में बैचलर इन डिजाइन की पढ़ाई करता था। छात्र ने मंगलवार को आत्महत्या की। विश्वविद्यालय परिसर में अन्य छात्रों के प्रदर्शन के बाद परिसर के बाहर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। फगवाड़ा में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि छात्र के सुसाइड नोट से प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि उसे कुछ निजी समस्याएं थीं। पुलिस ने कहा कि छात्र के माता पिता को सूचित कर दिया गया है और जांच जारी है। कपूरथला के जिला प्रशासन के अधिकारी ने छात्रों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। एलपीयू ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दुख जताया है। एलपीयू ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किए गए बयान में कहा, ''पुलिस की प्रारंभिक जांच और सुसाइड नोट की सामग्री छात्र के व्यक्तिगत मुद्दों की ओर इशारा करती है। विश्वविद्यालय आगे की जांच के लिए अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रहा है।

जयराम रमेश बोले, कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के लिए सोनिया गांधी या राहुल की अनुमति की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए किसी को भी मौजूदा अध्यक्ष सोनिया गांधी या पार्टी नेता राहुल गांधी की अनुमति की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी के चुनाव नहीं लड़ने के संकेत देने और अशोक गहलोत या शशि थरूर के चुनाव लड़ने की संभावना के बीच कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मुकाबला होने के आसार बढ़ गए हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा, पीसीसी (प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के दस प्रतिनिधियों का समर्थन होने पर कोई भी चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र एवं पात्र है।" उन्होंने कहा कि नामांकन दाखिल करने के लिए किसी को भी कांग्रेस अध्यक्ष या राहुल गांधी की अनुमति की जरूरत नहीं है। चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी होंगे। देश में कोई भी अन्य पार्टी अपना प्रमुख चुनने के लिए चुनाव नहीं कराती।" इसी के साथ जयराम रमेश ने यह भी कहा कि वह 'कामराज मॉडल के अनुसार आम सहमति के आधार पर पार्टी अध्यक्ष के चयन में यकीन रखते हैं। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के कामराज के 'दृष्टिकोण का समर्थन किया, जो उनके मुताबिक पार्टी के नेतृत्व के लिए 'सभी से विचार–विमर्श करें और आम सहमति का उपयुक्त नेता चुनें की बात कहता है। जयराम रमेश ने कहा, "अगर आम सहमति बनाना संभव नहीं है तो चुनाव की जरूरत पड़ेगी। हम चुनाव कराने से भाग नहीं रहे हैं।" अध्यक्ष पद के दावेदारों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह नहीं जानते कि कौन–कौन चुनाव लड़ेगा। जयराम ने स्पष्ट किया कि वह निश्चित तौर पर अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह नहीं जानते कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नामांकन दाखिल करेंगे या नहीं और अगर वह ऐसा करते हैं तो राज्य में क्या होगा। जयराम ने कहा, "कांग्रेस पार्टी में इस तरह की परिस्थितियों से निपटने के लिए एक तंत्र है।" अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने वाले नेताओं के नाम को लेकर जारी अटकलों के बीच गहलोत के राहुल से मिलने के लिए बुधवार शाम केरल पहुंचने की संभावना है। गहलोत कांग्रेस के अध्यक्ष पद के शीर्ष दावेदारों में से एक और पार्टी की पसंद माने जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, गहलोत गुरुवार को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकते हैं। गहलोत को अध्यक्ष पद की दौड़ में आगे माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें पार्टी के मौजूदा नेतृत्व का समर्थन और विश्वास हासिल होने की खबरें हैं। बताया जा रहा है कि गहलोत को जी–23 समूह के नेता शशि थरूर से चुनौती मिल सकती है, जिन्होंने चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, राजस्थान के मुख्यमंत्री ने अभी तक अपनी उम्मीदवारी से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि वह राहुल गांधी को चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे।

बीजेपी विधायक पर महिला को प्रताड़ित करने का आरोप, बेटे पर रेप का केस दर्ज

आगरा। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के विधायक छोटे लाल वर्मा और उनके बेटे लक्ष्मीकांत वर्मा के खिलाफ आगरा जिले में एक महिला द्वारा विधायक के बेटे पर बलात्कार, मारपीट और उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई है। विधायक पर महिला को प्रताड़ित करने का मामला दर्ज किया गया है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि वह छोटे लाल की बेटी की दोस्त है और 17 साल की उम्र से ही उसके आगरा स्थित आवास पर आती जाती थी। 2003 में उसकी मुलाकात वर्मा से हुई। उसने दावा किया कि विधायक के बेटे ने उसे अपने आवास पर बुलाया, उसे शराब पिलाई और उसके साथ बलात्कार किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, वर्मा ने इस कृत्य का वीडियो बनाया, जान से मारने की धमकी दी और उसके साथ मारपीट की। उसने कथित तौर पर उस महिला से वादा किया था कि वह उससे शादी करेगा। कुछ साल बाद, महिला ने दावा किया कि छोटे लाल के बेटे ने उससे एक मंदिर में शादी की थी और बाद में उसे कई बार गर्भपात के लिए मजबूर किया। लेकिन, 2006 में जब वह जालंधर गई तो छोटे लाल ने अपने बेटे की शादी दूसरी लड़की से कर दी। उसने दावा किया कि उत्पीड़न जारी रहा और विधायक के बेटे ने उसे तलाक के कागजात पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। पुलिस ने कहा कि शिकायत के आधार पर वर्मा पर धारा 376 (बलात्कार के लिए सजा), 313 (महिला की सहमति के बिना गर्भपात), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा), 504 (शांति भंग को भड़काने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान), भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा), 494 (पति या पत्नी के जीवनकाल में दोबारा शादी करना) और 328 (जहर देकर चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

देश में कोरोना का बढ़ा ग्राफ, 24 घंटे में आए 4510 नए केस, 33 की गई जान

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटों में 4,510 ताजा कोविड संक्रमण के मामले सामने आए, जो पिछले दिन 4,043 थे। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ने बुधवार को दी। इसी अवधि में, 33 और कोविड से संबंधित मौतें हुई जिसके बाद कुल मौतों की संख्या 5,28,403 पहुंच गई। इस बीच, सक्रिय केसलोड वर्तमान में 46,216 है जो कुल पॉजिटिव मामलों का 0.10 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 5,640 मरीजों के ठीक होने के बाद ठीक होने वालों की कुल संख्या 4,39,72,980 हो गई। अब कुल रिकवरी दर 98.71 प्रतिशत है। इस बीच, दैनिक पॉजिटिविटी दर 1.33 प्रतिशत बताई गई है, जबकि साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर भी वर्तमान में 1.80 प्रतिशत है। साथ ही इसी अवधि में, कुल 3,39,994 परीक्षण किए गए।

विपक्षी नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना, उन्हें गिरफ्तार करवाना केंद्र की प्रमुख परियोजना : पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना और उन्हें गिरफ्तार करवाना केंद्र की प्रमुख परियोजना है। पवार ने यहां पत्रकारों से कहा, ' अगर आप आज का समाचार पत्र देखेंगे तो उसमें केंद्रीय जांच एजेंसियों ने किस तरह विपक्षी दलों व उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई तेज की है उसका पूरा ब्योरा है। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराना और उन्हें गिरफ्तार करवाना केंद्र की प्रमुख परियोजना है। उन्होंने कहा ''जब भी उन्हें (सरकार को) चुनाव के नतीजों को लेकर संदेह होता है तो इस प्रकार के कदम महत्वपूर्ण कार्य के तौर पर उठाए जाते हैं। समाज के सामने मौजूद चुनौतियां और मुद्दे दरकिनार कर दिए जाते हैं। राकांपा नेता ने कहा, 'हम इसका राजनीतिक तरीके से जवाब देंगे। पात्रा चॉल के पुनर्विकास से जुड़े धनशोधन के मामले की प्रमुख गवाह ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कथित तौर पर कहा है कि 2008–09 में इलाके के कुछ निवासियों ने चॉल के पुनर्विकास के लिए स्थानीय राजनेताओं के माध्यम से राकांपा प्रमुख शरद पवार से संपर्क किया था। इस मामले में शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत भी एक आरोपी हैं। मामले की जांच ईडी कर रही है। गवाह ने ईडी से कहा कि विभिन्न बैठकों के बाद संजय राउत, प्रवीण राउत, एचडीआईएल (हाउसिंग डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) के राकेश वधावन से परियोजना का काम संभालने को कहा गया। ईडी ने मामले में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी ने 2019 विधानसभा चुनाव से पहले पवार को एक नोटिस भी जारी किया था, लेकिन एजेंसी ने बाद में कहा था कि पवार के जांच में शामिल होने की जरूरत नहीं है।

हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र में अवैध खनन को नियंत्रित करता है उनका सहयोगी पंकज मिश्रा : ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दावा किया कि धन शोधन से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार पंकज मिश्रा को 'राजनीतिक संरक्षण' प्राप्त है, क्योंकि वह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का राजनीतिक प्रतिनिधि है और उनके विधानसभा क्षेत्र में संचालित कथित अवैध खनन गतिविधियों को अपने सहयोगियों के जरिये 'नियंत्रित' करता है।

ईडी ने रांची की विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत में मिश्रा और उसके दो सहयोगियों–बच्चू यादव व प्रेम प्रकाश के खिलाफ 16 सितंबर को एक आरोप पत्र दाखिल किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने एक बयान जारी कर बताया कि विशेष अदालत ने 20 सितंबर को आरोप पत्र और अभियोजन पक्ष की शिकायत का संज्ञान लिया। सोरेन झारखंड के साहिबगंज जिले की बरहैट विधानसभा सीट से विधायक हैं। ईडी ने बयान में आरोप लगाया, "पीएमएलए जांच से खुलासा हुआ है कि पंकज मिश्रा, जिसे मुख्यमंत्री और बरहैट के विधायक का प्रतिनिधि होने के नाते राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, अपने सहयोगियों के माध्यम से साहिबगंज और उसके आसपास के क्षेत्रों में अवैध खनन कारोबार और क्षेत्रीय नौका परिवहन सेवाओं को नियंत्रित करता है।" जांच एजेंसी ने कहा, "वह (मिश्रा) साहिबगंज में विभिन्न खनन स्थलों पर स्टोन चिप्स और बोल्डर के खनन के साथ–साथ विभिन्न क्रशर के संचालन से जुड़े मामलों में अच्छा–खासा नियंत्रण रखता है।" बयान के मुताबिक, पंकज मिश्रा द्वारा अवैध गतिविधियों से 'अर्जित' लगभग 42 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति की पहचान की गई है। ईडी द्वारा गिरफ्तार पंकज मिश्रा, बच्चू यादव और प्रेम प्रकाश फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि उसने राज्य में अब तक अवैध खनन से अर्जित लगभग एक हजार करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की 'पहचान' की है। ईडी के मुताबिक, धन शोधन से जुड़े इस मामले के सिलसिले में 47 तलाशी अभियान चलाए गए, जिनमें 5.34 रुपये की नकदी, 13.32 करोड़ रुपये बैंक जमा राशि, 30 करोड़ रुपये मूल्य की नाव, पांच स्टोन क्रशर और दो ट्रक जब्त किए गए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, छापेमारी में दो एके–47 राइफल भी बरामद हुए हैं, जिन्हें बाद में झारखंड पुलिस ने अपना बताया था। ईडी की जांच तब शुरू हुई थी, जब एजेंसी ने अवैध खनन और जबरन वसूली के कथित मामलों को लेकर आठ जुलाई को झारखंड के साहिबगंज, बरहैट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा इलाके में मिश्रा और उसके कथित सहयोगियों के 19 ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने मार्च में मिश्रा और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी शुरू की थी।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने की सोनिया गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का स्पष्ट संकेत देने के बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की। माना जा रहा है कि सोनिया गांधी से उनकी मुलाकात के दौरान अध्यक्ष पद के चुनाव से जुड़े विषयों पर ही मुख्य रूप से चर्चा हुई है। मुलाकात से पहले गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का स्पष्ट संकेत दिया और कहा कि पार्टी के लोगों का जो फैसला होगा, उसे वह मानेंगे। गहलोत ने यह भी कहा कि वह कोच्चि जाकर राहुल गांधी को इस बात के लिए मनाने का आखिरी प्रयास करेंगे कि वह पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। उनका कहना था कि राहुल गांधी से बातचीत करने के बाद ही वह तय करेंगे कि आगे क्या करना है। गहलोत दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद आज शाम मुंबई जाएंगे और वीरवार को केरल जाएंगे, जहां राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे और 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल होंगे। उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने पहले ही संकेत दे दिया है कि वह अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। थरूर ने यहां कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री से मुलाकात की। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए घोषित कार्यक्रम के अनुसार, अधिसूचना 22 सितंबर को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अक्टूबर है।

चुनाव लड़ने की तैयारी में थरूर, मिस्त्री से मिलकर नामांकन की प्रक्रिया की जानकारी ली

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं और इसी क्रम में उन्होंने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री से मुलाकात कर नामांकन की प्रक्रिया की जानकारी ली। मिस्त्री ने बताया कि थरूर ने उनसे मुलाकात कर निर्वाचक मंडल की सूची, चुनाव एजेंट और नामांकन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा, थरूर अपने किसी व्यक्ति को 24 सितंबर को नामांकन फॉर्म लेने के लिए भेजेंगे। वह संतुष्ट होकर यहां से गए। मिस्त्री ने कहा कि थरूर ने मुख्य रूप से नामांकन पत्र दाखिल करने की औपचारिकताओं के बारे में जानकारी ली। थरूर ने कुछ दिनों पहले संकेत दिया था कि वह चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने इसी संदर्भ में सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात भी की थी। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए घोषित कार्यक्रम के अनुसार, अधिसूचना 22 सितंबर को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 24 से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि आठ अक्टूबर है। एक से अधिक उम्मीदवार होने पर 17 अक्टूबर को मतदान होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किये जाएंगे।

सम्पादकीय

मॉनसून की वापसी

देश के उत्तर–पश्चिम से मॉनसून की वापसी की स्थितियां बन रही हैं और इसी के साथ चार माह के बरसात का मौसम अपने अंत की ओर अग्रसर है। देश की आधी से अधिक खेती सिंचाई के लिए मॉनसून पर निर्भर करती है, जो अमूमन जून में केरल से शुरू होता है तथा इसका अंतिम चरण सितंबर के मध्य में राजस्थान से प्रारंभ होता है। पूर्वानुमानों में बताया गया था कि इस वर्ष मॉनसून सामान्य रहेगा, लेकिन जून से सितंबर के बीच देश के अनेक हिस्सों में कम बारिश हुई, जबकि दक्षिणी–पश्चिमी मॉनसून के समाप्त होने में देरी से कई जगहों पर अधिक बरसात हुई। रिपोर्टों की मानें, तो आठ राज्यों में पानी कम बरसा है। इस कारण धान की उपज को लेकर चिंताएं पैदा हो गयी हैं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के पहले तीन महीनों में तापमान अधिक होने से गेहूं की फसल पर असर पड़ा था।

खाद्यान्न उत्पादन में इस कमी से एक ओर किसानों की आमदनी पर ग्रहण लगा है, तो दूसरी तरफ बाजार में अनाज महंगा बिक रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा बुलेटिन में छपे एक लेख में भी रेखांकित किया गया है कि मॉनसून की वापसी में देरी से खाद्यान्न कीमतों पर फिर से दबाव बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। सितंबर की अनियमित बरसात ने गर्मी से कुछ राहत तो दी है, परंतु इस वजह से कुछ मुख्य सब्जियों के भाव बढ़ गये हैं। मॉनसून की अनियमितता के दो मुख्य हिस्से हैं– एक, लंबे समय तक बारिश का नहीं होना तथा दूसरा, थोड़े ही अंतराल में बहुत अधिक बरसात होना। बादल फटने की घटनाएं, सूखे जैसी स्थितियां, औचक बाढ़ आदि आम होते जा रहे हैं। प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता बढ़ने तथा लगातार कमजोर व अनियमित मॉनसून के पीछे प्रधान कारक जलवायु परिवर्तन है। इसी के कारण तापमान भी बढ़ता जा रहा है तथा जाड़े का मौसम छोटा होने लगा है।

हालांकि यह वैश्विक समस्या है तथा यूरोप व अमेरिका जैसे समृद्ध क्षेत्र भी इससे प्रभावित हैं, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह स्थिति कहीं अधिक चिंताजनक है। बहुत बड़ी आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, पर्यावरण को बेहतर बनाना तथा प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना जैसे कार्य दिन–ब–दिन चुनौतीपूर्ण होते जायेंगे। पानी का संकट, मिट्टी का क्षरण, वनों का लोप, नदियों में गाद भरना, पारिस्थितिक असंतुलन, जल, वायु व मिट्टी का प्रदूषण समुद्री जल स्तर बढ़ने से तटीय इलाकों से पलायन जैसी समस्याएं मुंह बाये खड़ी हैं। जलवायु संकट से निपटने के उपायों को गंभीरता से अपनाने की आवश्यकता है।

आशाएं-आशंकाएं दोनों ही लेकर चल रहे हैं राहुल अपनी यात्रा में

जैसे–जैसे राहुल गांधी की पद यात्रा आगे बढ़ रही है, वह अनेकानेक तरह की आशाओं और आशंकाओं को अपने में समाहित कर रही है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो के नाम से हो रही यह पैंया–पैंया वाली यात्रा अपने गंतव्य तक पहुंचते हुए देश, लोकतंत्र और भारत के राजनैतिक विमर्श को क्या–क्या प्रदान करेगी, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। फिर भी इतना जरूर है कि सफलता या असफलता दोनों परिस्थितियों में इसका उल्लेख हमेशा होगा। अगर यह कामयाब हुई तो एक विकल्प के रूप में देश को फिर से मजबूत कांग्रेस मिलेगी और असफल हुई तो भी सत्ता से लड़ने का भूला–बिसरा तरीका पुनः देशवासियों के हाथ में लग जायेगा। जनता का वह आंदोलनकारी रूप एक बार फिर से उठ खड़ा होगा जो सत्ता के कान उमेठने और उसे सही राह पर चलते रहने की चेतावनी देगा। पहली व सबसे बड़ी आशा तो यही है कि इससे सड़कों पर विरोध एवं प्रदर्शनों का महत्व फिर से स्थापित होगा। पिछले 8–9 वर्षों से जहां एक ओर नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने खिलाफ उठने वाली सभी आवाजों को कुचला है और संवाद के तमाम लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्मों को विचार–विमर्श के लिये बन्द कर दिया है, वहीं उनकी भारतीय जनता पार्टी एवं सम्बन्धित संगठनों ने लोगों के मन में यह बात बैठा दी है कि मोदी सरकार के खिलाफ कुछ कहना मानों देश के विरोध में होना है। एक सुनियोजित एवं संगठित तरीके से सरकार व पार्टी ने विरोधी विचारधारा, प्रतिपक्ष, स्वतंत्र आवाजों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों के विरुद्ध दुष्प्रचार कर सामान्य जनता में इनके खिलाफ जहर ही भरा है। जिस तरह से लोकतंत्र विरोधी रवैया अपनाते हुए मोदी सरकार व भाजपा ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, शाहीन बाग, किसान आंदोलन आदि का क्रूरतापूर्वक दमन किया है, वह निरंकुशता की श्रेणी में आता है और जनतांत्रिक कार्यप्रणाली व सोच का 180 डिग्री है। विरोध, प्रदर्शन, आंदोलन आदि लोकतंत्र के प्राण वायु हैं। अगर संसद समेत विधायनी संस्थाओं को जनोन्मुखी बनाये रखना है तो सड़कों पर जनता के कदमों की आहट और धमक हर वक्त सुनाई देनी चाहिये। राजशाही और एकदलीय शासन प्रणालियों में जनांदोलनों को जहां सर नहीं उठाने दिया जाता, वहीं लोकतांत्रिक पद्धति की पहली शर्त ही जनता की राय से चलना है। जब उसकी बात का संज्ञान नहीं लिया जायेगा, तो सड़कों का गुंजायमान होना जरूरी है। जिन विकसित एवं सम्पन्न देशों में तक, जहां सारी सुख–सुविधाएं पहले से मौजूद हैं, लोग अपनी मांगों को लेकर या किसी न किसी मुद्दे पर सड़कों पर प्रदर्शन करते रहते हैं ताकि सरकारें उनकी राय को सुनें और उनकी बेहतरी के लिये सतत काम करती रहें। भारतीय राजनीति ही नहीं वरन उसकी आजादी के आंदोलन का भी पद यात्राओं से सम्बन्धित रहा है। अगर कहें कि भारत की स्वतंत्रता का जन्म ही ऐसी यात्राओं से हुआ है, तो गलत न होगा। 1906 में गांधी जी के रहते दक्षिण अफ्रीका में ट्रांसवाल में रंग भेद पर आधारित एक कानून लाया गया था। भारतीय नागरिकों के लिये यह पंजीकरण का अधिनियम भेदभाव एवं अन्याय पर आधारित था। इसके खिलाफ गांधी ने लगभग 2200 लोगों की पद यात्रा न्यू कैसल से ट्रांसवाल तक निकाली थी। इसे द ग्रेट मार्च के नाम से जाना जाता है। इस विरोध के कारण अंततः औपनिवेशिक सरकार को वह काला कानून वापस लेना पड़ा था और उसने भारतीय राहत अधिनियम लागू किया। मोहनदास करमचंद गांधी से भाई, फिर बापू और अंततः महात्मा बनने की प्रक्रिया में इस मार्च का प्रमुख हाथ है। यह ऐसी शुरुआत थी जिसकी परिणति 15 अगस्त, 1947 को स्वाधीन भारत के रूप में हुई थी। गांधी ने भारत में भी अपनी यात्राओं को जारी रखा था। उनकी यात्राओं में कभी विरोध, कभी अधिकार की मांगें तो कभी संवेदना के तत्व होते थे। द ग्रेट मार्च भेदभावपूर्ण कानून के खिलाफ था तो वहीं दांडी यात्रा अधिकार को लेकर थीय और आजादी के समय देश में भड़के दंगों के बीच नोआखली की यात्रा का सम्बन्ध मानवीय संवेदना एवं करुणा से था। अनायास ही सही, इन तीनों तत्वों का सम्मिश्रण राहुल की यात्रा में देखने को मिल रहा है। उनकी पद यात्रा में निरंकुश शासन का विरोध है तो भूख, गरीबी, बेरोजगारी को दूर करने की मांग भी। लोगों का उनसे आकर मिलना, उनके गले लिपटना, उन्हें छोटी–छोटी वस्तुएं प्रदान करना।।। सारा कुछ भारत के नेहरू परिवार के साथ भावनात्मक लगाव व अपनत्व का परिचायक है– ये तीनों ही बातें (निरंकुशता का विरोध, मूलभूत सुविधाओं की मांग और भावनात्मक एका) देश को जोड़ती हैं। श्भारत जोड़ो यात्राश अपने नाम के अनुरूप चरितार्थ हो रही है। 3570 किलोमीटर चलने के लिये निर्धारित यह यात्रा अपने प्रारम्भिक चरणों में तो सफल होती दिख रही है। विरोधी अर्थात भाजपा, उसके समर्थक, उसका आईटी सेल एवं विरोधी तत्व राहुल गांधी की टी शर्ट, कथित लग्जरी कंटेनरों आदि के मामलों में नाकाम होने बाद पस्त हैं। अब वे ही कट्टर समर्थक राहुल की यात्रा को बुरा–भला कह रहे हैं जो भाजपा या सम्बन्धित संगठनों के सदस्य हैं। जातिवादी, साम्प्रदायिक, खाये–पीये अघाये वर्ग जो इस सामाजिक व आर्थिक गैर बराबरी से लाभान्वित हुए हैं, केवल वे ही इस यात्रा का अब भी विरोध कर रहे हैंय अन्यथा इस यात्रा को लोकतंत्र के समर्थन में खड़ा हर व्यक्ति समर्थन दे रहा है। यहां तक कि जो सिविल सोसायटियां कभी कांग्रेस के खिलाफ थीं, वे भी आज उनके साथ इस यात्रा में शामिल हैं। इस यात्रा से उत्साहित होकर ही कांग्रेस इसी वर्ष असम में 800 किलोमीटर की यात्रा निकाल रही है जो 1 नवम्बर से प्रारम्भ होगी। ऐसे ही, पार्टी दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर यानी 31 अक्टूबर को ओडिशा में लम्बी पद यात्रा आयोजित कर रही है। अगले साल गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक (पश्चिम से पूर्व तक) की भी पद यात्रा होगी। इस तरह देखें तो पद यात्रा के महत्व का एक बार फिर से प्रतिपादन हो रहा है जो भारतीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत है। **–डॉ। दीपक पाचपोर**

मुक्त व्यापार पर हिचक कम हो

तीन साल पहले चीन समेत 15 देशों के मुक्त व्यापार समझौते 'क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी' से भारत ने अचानक अपने पैर खींच लिये थे। इस समझौते के लिए बातचीत लगभग 10 वर्षों से चल रही थी, जिसमें भारत की सक्रिय और उत्साहपूर्ण हिस्सेदारी थी। वर्तमान में यह समूह दुनिया की लगभग 30 फीसदी जीडीपी का प्रतिनिधित्व करता है और आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। भारत के बिना इस समूह के सदस्यों के बीच 2।3 ट्रिलियन डॉलर का आपसी व्यापार होता है। इस साल जनवरी से लागू यह समझौता लगभग 90 फीसदी शुल्कों को हटाने की दिशा में कार्यरत है। इस प्रकार यह एक तरह का आर्थिक संघ बन जायेगा। इस समझौते को लेकर भारत को यह आशंका थी कि शुल्क–मुक्त चीनी सामानों से घरेलू बाजार भर जायेगा, लेकिन चीन के साथ हमारा व्यापार घाटा बीते तीन सालों से लगातार बढ़ रहा है। साथ ही, लद्दाख में झड़प के बावजूद कुल आपसी व्यापार में भी बढ़ोतरी हो रही है। भारत की जीडीपी वृद्धि भी पटरी पर आती दिख रही है और सात–साढ़े सात फीसदी दर की ओर अग्रसर है। कई वैश्विक निवेशकों की रणनीति 'चाइना प्लस वन' से भारत को भी आखिरकार फायदा होगा, क्योंकि वे चीन से बाहर वियतनाम, थाईलैंड, भारत जैसे देशों में फैक्ट्री लगाना चाहते हैं। क्षेत्रीय भागीदारी समझौते में शामिल न होकर भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, ऑटोमोटिव जैसे क्षेत्रों से संबंधित आपूर्ति शृंखला में निवेश आकर्षित करने का मौका शायद कम कर दिया है। निवेशक वहां निवेश करना चाहते हैं, जहां पूरी मूल्य शृंखला उपलब्ध हो और अगर अलग–अलग देशों में निवेश करना पड़े, तो वे समझौते में शामिल देशों को वरीयता देंगे, ताकि वस्तुओं की आवाजाही आसानी से हो सके। इसलिए, लगता है कि केवल व्यापार घाटे पर संकीर्ण ध्यान देकर भारत से मूल्य शृंखला की बस छूट गयी है। सनद रहे, इस समझौते में शामिल 15 में से 12 देशों के साथ भारत का पहले से ही मुक्त व्यापार समझौता था और अब ऑस्ट्रेलिया से भी ऐसा समझौता हुआ है। दुनिया में तीन बड़े व्यापार समूह– क्षेत्रीय आर्थिक भागीदारी के अलावा ट्रांस पैसिफिक भागीदारी और इंडो–पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क– हैं, जिनके तहत एशिया का बड़ा हिस्सा आता है। हाल में बने फ्रेमवर्क में 14 देश हैं, जबकि ट्रांस पैसिफिक भागीदारी में 11 देश हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, जापान और ब्रूनेई तीनों समूह के सदस्य हैं। भारत केवल एक का सदस्य है। चीन दो समूह में नहीं है, क्योंकि ये समूह चीन को बाहर रखने के लिए ही बनाये गये हैं। ट्रांस पैसिफिक भागीदारी पहले के ऐसी भागीदारी का नया रूप है, जिसका नेतश्त्व राष्ट्रपति ओबामा के समय अमेरिका करता था, पर ट्रंप प्रशासन ने इससे अपने को अलग कर लिया था। नये समूह में अभी अमेरिका शामिल नहीं हुआ है। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं था, बल्कि इसका एक उद्देश्य एशिया में भविष्य के व्यापार नियमों को प्रभावित करना तथा चीन के बढ़ते वर्चस्व का प्रतिकार करना भी था। इसीलिए इसमें निवेश नियमों, श्रम एवं पर्यावरण मानकों, मूल्य शश्ंखला का अंतरसंबंध व्यापक करना जैसे अनेक प्रावधान भी हैं। ट्रांस पैसिफिक भागीदारी महत्वाकांक्षी है और अब यह इतना आकर्षक हो गया है कि चीन भी उसके दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन भी सदस्यता के इच्छुक हैं। ध्यान रहे, 2018 से ही जापान का मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय संघ से है। इसका अर्थ यह है कि यूरोपीय संघ का भी एक पैर इसमें है। इस समझौते (और चीन के नेतृत्व वाले भागीदारी समझौते से भी) से अलग रहने का खामियाजा अमेरिका भुगत रहा है। उसके व्यापार अवसर छूट रहे हैं और उसका भू–राजनीतिक प्रभाव सिमट रहा है। यही कारण है कि इंडो–पैसिफिक फ्रेमवर्क की स्थापना के लिए उसने अतिसक्रियता दिखायी है। इस समूह में 14 देश हैं और वैश्विक जीडीपी में उनकी हिस्सेदारी 28 फीसदी है। इसके चार आधार हैं– व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, कराधान और भ्रष्टाचार विरोध तथा स्वच्छ ऊर्जा। फ्रेमवर्क का कोई भी सदस्य इनमें से किसी आधार से अलग हो सकता है। यहां भी भारत ने अपनी हिचकिचाहट दिखाते हुए अपने को व्यापार से अलग रखा है। भारत के व्यापार मंत्री ने कहा कि चूंकि श्रम एवं पर्यावरण मानकों, डिजिटल व्यापार और सार्वजनिक खरीद जैसे मुद्दे शामिल हैं तथा इन पर सदस्यों में आम सहमति नहीं है, इसीलिए भारत ने अपने को अलग रखा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका और जापान जैसे देशों द्वारा थोपे गये उच्च श्रम मानक भारत जैसे विकासशील देश के लिए बाधक हो सकते हैं। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि भारत निम्न श्रम सुरक्षा मानकों का अनुपालन करता रहेगा या फिर पर्यावरण के लिए खतरनाक उद्योगों को कमजोर कानूनों के जरिये बढ़ावा देता रहेगा, ताकि वैश्विक व्यापार में उसकी हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हो, लेकिन वे दिन अब अतीत हो चुके हैं। भारत ने पश्चिम के ढर्रे पर श्रम एवं पर्यावरण मानकों को अपनाने का वादा किया है, क्योंकि वह यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौते के लिए प्रयासरत है। ऐसे में व्यापार से अलग रहने का क्या तुक है? असल में, क्षेत्रीय आर्थिक भागीदारी से अलग होने के तुरंत बाद से भारत सक्रियता के साथ ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा और यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौतों के लिए कोशिश करता रहा है। फिर इंडो–प्रशांत भागीदारी जैसे बहुपक्षीय समझौतों में शामिल होने में हिचक क्यों है? भारत का विकास मुख्य रूप से उत्पादन और सेवा के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर निर्भर है। हमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार में खुलेपन के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध रहना होगा। हमारे शुल्क उदार होने चाहिए तथा हमें घरेलू उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए लगातार संरक्षण देने के उपायों से भी परहेज करना होगा। वैश्विक भागीदारी से मूल्य संवर्द्धन के साथ रोजगार के अवसर भी बनेंगे। 'चाइना प्लस वन' से पैदा हुए मौके हमेशा नहीं होंगे। यह हमारे व्यापक हित में है कि हम हर क्षेत्र में मुक्त या लगभग मुक्त व्यापार को अपनायें। वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी के कारण सुस्त होती जा रही है। ऐसी स्थिति में अगर हमारी व्यापारिक हिस्सेदारी में तीन–चार फीसदी की भी बढ़ोतरी होती है, तो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह बहुत उत्साहजनक होगा। और, यह तभी संभव होगा, जब हम खुले और मुक्त व्यापार को लेकर कम आशंकित होंगे।

– अजीत रानाडे

आज का राशिफल

मेष :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। बिरोधियों प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयाँ संभव। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

वृषभ :– रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

मिथुन :– दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीन भावना ना पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव।

कर्क :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित ना हों।

सिंहः– नाजुक सम्बन्धों मे भावनात्मक ताल–मेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

कन्या :– पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दूसरो की आलोचना का अपने मनोबल पर असर ना पड।ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशां में परिश्रम तीव्र होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

वृश्चिकः– आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित होगा, अत इसे सुधारें। नैतिक–अनैतिक सोचने वाला मन भौतिक परिवेश ताल–मेल बिठाने में असमर्थ होगा।

धनु :– दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नही देता और निर्थक दूसरों की आलोचना भी ठीक नही है। परिवारिक सम्बन्धों कटुता दुश्मनी जैसा ना बननें दें।

मकर :– अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता के योग है।

कुंभ :– कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना ना करें। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें।

पीएम मोदीः स्वर्णिम भारत के निर्माता

प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक जेम्स फ्रीमैन क्लार्क ने कहा था कि एक राजनीतिज्ञ अगले चुनाव की सोचता है, पर राजनेता अगली पीढ़ी के बारे में सोचता है। जेम्स क्लार्क से भी आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल अगली पीढ़ी नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों की चिंता करते हुए एक स्वर्णिम भारत के निर्माण की सिद्धि में संकल्पित साधक एवं कर्मयोगी राजनेता के रूप में दिखाई पड़ते हैं। मोदी सरकार के पिछले आठ वर्षों के रिपोर्ट कार्ड इसकी पुष्टि करते हैं। सन 2014 में केंद्र सरकार में आने के बाद नरेंद्र मोदी के सामने कई चुनौतियां थीं– शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता की समस्या, आर्थिक जगत और उद्योगों से लेकर रक्षा समस्या, किसानों, मजदूरों व महिलाओं की समस्याएं आदि। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की साख डावांडोल थी, लेकिन द्रष्टा प्रधानमंत्री मोदी के पास नये भारत के निर्माण के संकल्प के साथ एक कारगर कार्ययोजना थी। सोशल सेक्टर में 'स्वच्छ भारत' और शौचालय अभियान के अलावा 'आयुष्मान भारत' जैसी दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना या लोगों के लिए आवास ने करोड़ों गरीबों का कायाकल्प कर दिया। 'उज्ज्वला' योजना ने लाखों महिलाओं को धुएं से मुक्त कर स्वच्छ गैस पर भोजन पकाने की सुविधा प्रदान की, तो जल जीवन मिशन के तहत सुदूर क्षेत्रों में भी नल से जल मुहैया कराया गया, जिसका सपना गरीब महिलाएं देखा करती थीं। प्रधानमंत्री मोदी यह समझते हैं कि राष्ट्र के विकास के लिए मजबूत अर्थव्यवस्था बहुत जरूरी है। साल 2014 में सरकार के समक्ष कर्ज से दबी अर्थव्यवस्था, मानवीय हस्तक्षेप वाली पुरानी कर प्रणाली, एनपीए संकट से जूझते बैंक और सदियों पुराने निरर्थक नियम–कानून थे। नये नियम बना कर बैंकों को एनपीए से मुक्त करने के साथ विमुद्रीकरण कर ऑनलाइन लेन–देन को बढ़ावा दिया गया। एक राष्ट्र–एक कर यानी जीएसटी प्रणाली लागू कर कराधान को सुगम किया गया। आयकर में भी सुधार हुए। सुधारों के परिणामस्वरूप आयकर और जीएसटी का अभूतपूर्व संग्रह हुआ है, जिसका एक बड़ा हिस्सा जन कल्याण में खर्च हो रहा है। स्टार्टअप इंडिया और वेंचर कैपिटल फंडिंग की नयी संस्कृति के चलते नवोद्यमों की राह आसान हुई है। देश में 'यूनिकॉर्न' की संख्या का सौ से अधिक हो जाना इसका बड़ा प्रमाण है। मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड अभियान के चलते गत वर्ष भारत ने 418 बिलियन डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात किया, जो देश की विनिर्माण व बढ़ती सेवा क्षमता का प्रमाण है। इन्हीं सबका का फल है कि भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने अभूतपूर्व सम्मान हासिल किया है। योग, आयुर्वेद, 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस', व्यापारिक लेन–देन के साथ–साथ कोविड महामारी के समय लगभग 100 देशों को वैक्सीन की सहायता देकर भारत ने मजबूत साख बना ली है, जिसकी अनुगूंज संयुक्त राष्ट्र से लेकर जी–20 समूह में सुनी जा सकती है। यूक्रेन संघर्ष में भारतीय कूटनीति ने दुनिया में गहरा प्रभाव छोड़ा है। आज अमेरिका और रूस दोनों ही भारत से मित्रता चाहते हैं। आज अनेक अरब देश भारत के गहरे मित्र हैं, जो मुस्लिम जगत में भारत के बढ़ते प्रभाव का परिचायक है। वैश्विक परिवर्तनों और नयी जरूरतों को देखते हुए मोदी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी कदम उठाये हैं। शिक्षा में मैकाले मॉडल की जगह महात्मा गांधी मॉडल को अपनाया गया है, जिसका फल है राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020। किसी शिक्षा नीति में पहली बार होगा कि हर बच्चे को अपनी रुचि के हिसाब से पढ़ाई करने का अवसर मिले। उच्च शिक्षा को स्ट्रीम्स के खांचे से मुक्ति, मातश्भाषा में पढ़ाई, एकेडेमिक क्रेडिट बैंक, मल्टीपल एंट्री–एक्जिट आदि की नयी संकल्पनाएं देश की दशा और दिशा का ग्राफ बदल कर रख देंगी। स्कूल और कॉलेज दोनों ही स्तरों पर व्यावसायिक शिक्षण–प्रशिक्षण पर प्रतिबल रोजगार में मददगार होगा। मोदी सरकार जनजातीय समाज की आकांक्षाओं के प्रति विशेष सजग है। जनजातीय समुदाय के त्याग–बलिदान को याद करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया, तो स्कूल–कॉलेज में जनजातीय बच्चों की भागीदारी बढ़ाने हेतु संबद्ध क्षेत्रों में विशेष छात्रावास, शुल्क माफी और वित्तीय सहायता की पेशकश, जनजातीय समाज की भाषा–संस्कृति को संरक्षित करने के साथ–साथ 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020' में खेल पर भी विशेष जोर दिया गया है। जनजातीय बच्चों के लिए एकलव्य विद्यालयों की संख्या में पांच गुना वश्द्धि हुई है। उच्च शिक्षा के स्तर पर जनजातीय–औषधीय प्रथाओं, वन प्रबंधन, पारंपरिक (जैविक) फसल की खेती, प्राकृतिक खेती आदि में विशिष्ट पाठ्यक्रम को बढ़ावा दिया जायेगा। शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी इन दिशाओं में तेजी से कार्य कर रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा लाये गये परिवर्तन न केवल तात्कालिक, बल्कि दीर्घकालिक जरूरतों पर भी खरे उतरने वाले हैं। जरूरत है तो बस जनता को अपना विश्वास बनाये रखने की और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिखायी गयी राह पर मजबूती से चलते रहने की। एक नये भारत, आत्मनिर्भर भारत, जगद्गुरु भारत और स्वर्णिम भारत का स्वप्न तभी साकार हो सकेगा।

भावपूर्ण श्रृद्धांजलि : हंसी की दुनिया को वो कर गया वीरान'

25 दिसम्बर सन् 1963 में कानपुर की धरती पर आंखे खोलने वाले कामेडी की दुनिया के बेताज बादशाह राजू श्रीवास्तव ने दुनिया को अलविदा कह दिया है।अपनी हास्य कला से लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने वाले राजू श्रीवास्तव के निधन से पूरे देश में सन्नाटा छा गया है।जीवन के तमाम संघर्षों से जूझते हुए उन्होंने हास्य जगत से अपना नाता जोड़ा था।अपने बेजोड़ अभिनय से वे दशकों से लोगों को गुदगुदाते रहे।साधारण से परिवार में जन्म लेकर दुनिया भर में उन्होंने अपनी हास्य कला के जरिये लोगों के दिलों पर राज किया था।पिछले 42 दिनों से जिंदगी और मौत के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान 21 सितम्बर को जब उनके निधन की सूचना मिली तो सारा देश स्तब्ध हो गया।सभी की आंखों में उनका हंसता मुस्कुराता चेहरा नाचने लगा।लोग यकीन नही कर पा रहे थे कि उनको जीवन भर हंसाने वाला उनका चहेता कलाकार अब चिरनिद्रा में लीन हो गया है।राजू श्रीवास्तव का इस तरह से अपने बीच से चले जाना उनके प्रसंशको को अन्दर तक हिला गया।बोझिल मन लिए लोग दिन भर उनकी यादों में खोये रहे।पिछले कई दिनों से उनकी तबियत खराब थी,समूचा देश उनके ठीक होने की प्रतीक्षा में था।दिल्ली के एम्स हास्पिटल में उनका इलाज चल रहा था।कुछ दिन पहले उनके स्वास्थ्य में सुधार भी दिखा था।लेकिन नियति के आगे किसकी चलती है,21सितम्बर को उनकी तबियत बिगड़ी और दुनिया भर को ठहाके लगवाने वाला यह कलाकार हमेशा हमेशा के लिए सबको छोड़ कर चला गया।कानपुर की मिट्टी की खुशबू को दुनिया भर में अपने किरदार के जरिये राजू श्रीवास्तव ने बिखेरा था।लोग कितने भी मुश्किल और तनाव में क्यों न हों, राजू श्रीवास्तव की कामेडी उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरने का सामर्थ्य रखती थी।हंसी के इस जादूगर का कार्यक्रम जिस शहर में हो जाता था,उदासी उस शहर को छोड़कर चली जाती थी।हास्य का कितना भी बड़ा प्रोग्राम क्यों न हो राजू श्रीवास्तव के बगैर अधूरा अधूरा सा लगता था।आज जब वे हम सभी से दूर हो गये हैं तो मन मसोस कर विधाता के विधान पर रोने के अलावा और किया ही क्या जा सकता है।उनका निधन देश के लिए अपूर्णीय क्षति है जिसकी भरपाई नही हो सकती है।कामेडी के जरिये उन्होंने देश को जितना हंसाया,उतना ही उनके जाने पर देश फूट फूट कर रो भी रहा है।उन्होंने अपनी कला के जरिये यह साबित किया था कि कामेडी के माध्यम से लोगों के दिलों तक पहुंचा जा सकता है।लोगों को हंसाते हंसाते उनके चरित्र को भी लोग ऐसा ही समझने लगे थे जबकि उनकी निजता कुछ और ही थी।वे निजी जिंदगी में बेहद ही गंभीर थे।उन्होंने अपने हास्य के दायरे में तमाम राजनैतिक,आर्थिक,शैक्षिक,सामाजिक और नैतिक समस्याओं को समेटा था।हंसते,गुदगुदाते हुए वे व्यवस्थाओं पर जब तब प्रहार करते रहते थे।अपनी विधा के माध्यम से वे सरकारों को सवालों में खड़ा कर देते थे।बड़े बड़े नेताओं को अपने अभिनय के द्वारा हंसाते हंसाते आईना दिखा देते थे।उन्होंने राजनीति में भी हाथ आजमाया था।2012 में राजनीति के क्षेत्र में कदम रखा था।पहले वे समाजवादी पार्टी में रहे फिर भाजपा में शामिल हो गये थे।उन्हें हास्य कलाकार के तौर पर यश भारती पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

हर सोमवार को 'सम्भव' पोर्टल पर उप केंद्रों पर भी प्रातः 10 से 12 बजे तक होगी जनसुनवाई : शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा प्रदेश सरकार की उपभोक्ता देवो भव की नीति के तहत ऊर्जा विभाग विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य कर रहा हैं। उपभोक्ताओं की समस्याओं के निवारण के लिए अब उनके और नजदीक जाकर स्थानीय स्तर पर ही करने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाएगा, जिससे उन्हें अपनी समस्याओं के लिए ज्यादा दूरी न तय करना पड़े और न ही समय अधिक लगे। उन्होंने कहा कि पूरी गंभीरता के साथ शिकायतों के समाधान का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए निर्देश दिए गए हैं कि 'सम्भव' पोर्टल की व्यवस्था में एक पायदान और नीचे जाते हुए अब प्रत्येक सोमवार को प्रातः 10 से 12 बजे के बीच 33ध 11 केवी के सभी उपकेंद्रों पर एसडीओ स्टार पर जनसुनवाई की जाएगी। पहले की व्यवस्था यथावत रहेगी, जिसमें प्रत्येक सोमवार को ही अपरान्ह 01 बजे से 03 बजे तक अधिशासी अभियंता तथा शाम 04 से 06 बजे के बीच अधीक्षण अभियंता स्तर पर जनसुनवाई कर शिकायतों का समाधान किया जाएगा। प्रत्येक मंगलवार को उच्च स्तर पर प्रातः 10 से 12 बजे के बीच प्रत्येक डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक स्तर पर जनसुनवाई की जाएगी तथा प्रत्येक महीने के तीसरे बुधवार को दोपहर 12 बजे से स्वयं ऊर्जा मंत्री के स्तर पर राज्य स्तरीय सुनवाई की जाएगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। ऊर्जा विभाग जनता की सुख सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य कर रहा है। विद्युत समाधान सप्ताह के ऐतिहासिक परिणाम आए हैं और 01 सप्ताह में ही 1,73,173 में से 1,46,499 शिकायतों का निस्तारण स्थानीय स्तर पर ही किया गया। इसमें विद्युत कार्मिकों की शिकायतों को लेकर गंभीरता तथा उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशीलता से ही संभव हो सका। उपभोक्ताओं ने भी अपनी समस्याओं के निवारण में पूरी सक्रियता दिखाई। इस दौरान बिलिंग, मीटर खराबी, केवल बदलने, लोड बढ़ाने, ज्यादा बिल, बिजली कनेक्शन, पोल खराबी, चेक मीटर लगाने जैसी समस्याओं का समाधान किया गया। उन्होंने कहा कि समाधान सप्ताह के दौरान राज्यव्यापी टोल फ्री नंबर 1912 पर भी आने वाली शिकायतों में 30 प्रतिशत की कमी आई है। विद्युत समाधान सप्ताह से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। प्रदेश के विकास में और जनता की खुशहाली बढ़ाने में ऊर्जा विभाग का अहम योगदान है। इसमें और वृद्धि करने के लिए नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। करना यह है कि सभी उपभोक्ता ईमानदारी से समय पर अपना बिजली बिल जमा करते रहें, जिससे बिजली के इंफ्रास्ट्रक्चर में और वृद्धि कर प्रदेश को भरपूर बिजली और ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी 24 घंटे बिजली दी जा सके।

इटावा के मशहूर मौलाना जर्जिस रेप केस में दोषी

प्रयागराज। इटावा के मौलाना जर्जिस को वाराणसी की अदालत ने रेप समेत अन्य आरोपों में दर्ज मामले में दोषी करार दिया है, इटावा के मशहूर मौलाना जर्जिस को वाराणसी की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने साढ़े छह साल पुराने रेप, ब्लैकमेल और डराने–धमकाने के मामले में दोषी करार दिया है. कोर्ट मौलाना जर्जिस को कल सजा सुनाएगी. मौलाना जर्जिस के खिलाफ यह मामला 17 जनवरी 2016 को जैतपुरा थाने में दर्ज किया गया था।केस दर्ज कराने वाली पीड़िता के मुताबिक मौलाना जर्जिस बहस करने वाराणसी आया करते थे. उस दौरान वह वाराणसी के होटलों में रुकता था। बहस के दौरान ही उनका परिचय मौलाना जर्जिस से साल 2013 में हुआ था। तभी उन्होंने उन्हें होटल में बुलाया।मौलाना जारजिस ने होटल में उसके साथ रेप किया और उसका अश्लील वीडियो बनाया। इसके बाद मौलाना जारजिस ने शादी का झांसा देकर उसके साथ अलग–अलग होटलों में कई बार रेप और बदसलूकी की।

मायावती ने प्रमुख विपक्षी दल के रूप में सपा की क्षमता पर उठाए सवाल, बोले, सपा काफी कमजोर दिखती है

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अध्यक्ष मायावती ने विपक्षी पार्टियों को धरना प्रदर्शन करने से रोकने पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की आलोचना करने के एक दिन बाद बुधवार को प्रमुख विपक्षी दल के तौर पर समाजवादी पार्टी (सपा) की क्षमता पर सवाल उठाए। मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर सपा पर निशाना साधा। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, "भाजपा की घोर जातिवादी, साम्प्रदायिक व जनहित–विरोधी नीतियों आदि के विरुद्ध उत्तर प्रदेश की सेक्युलर शक्तियों ने सपा को वोट देकर यहां प्रमुख विपक्षी पार्टी तो बना दिया, किन्तु यह पार्टी भाजपा को कड़ी टक्कर देने में विफल साबित होती हुई साफ दिख रही है, क्यों?" उन्होंने इसी सिलसिले में किए गए एक अन्य ट्वीट में कहा, "यही कारण है कि भाजपा सरकार को यूपी की करोड़ों जनता के हित व कल्याण के विरुद्ध पूरी तरह से निरंकुश व जनविरोधी सोच व कार्यशैली के साथ काम करने की छूट मिली हुई है। विधान सभा में भी भारी संख्या बल होने के बावजूद सरकार के विरुद्ध सपा काफी लाचार व कमजोर दिखती है, अति–चिन्तनीय।" मायावती ने मंगलवार को किसी का नाम लिए बगैर एक ट्वीट में कहा था कि विपक्षी पार्टियों को सरकार की जनविरोधी नीतियों व उसकी निरंकुशता तथा जुल्म–ज्यादती को लेकर धरना–प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं देना भाजपा सरकार की नई तानाशाही प्रवृति हो गई है। उन्होंने इसके साथ ही दावा किया कि बात–बात पर मुकदमे व लोगों की गिरफ्तारी एवं विरोध को कुचलने की बनी सरकारी धारणा अति–घातक है। मायावती ने यह ट्वीट उत्तर प्रदेश विधान मंडल के मानसून सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेने पैदल जा रहे सपा विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को पुलिस द्वारा रास्ते में रोके जाने को लेकर हुए हंगामे के बाद किया था।

संक्षिप्त खबरे

एयरपोर्ट की जमीनों को लेकर किसान विरोध में उतरे घेरी तहसील

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट की जमीनों को लेकर किसान विरोध में उतर आए हैं। बुधवार को सुनवाई न होने का आरोप लगाते हुए किसान यूनियन के नेता कार्यकर्ता 4रू30 बजे मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच कर दिए। किसानों का आरोप है कि उनकी जमीनों का उचित मुआवजा नहीं मिला है। एयरपोर्ट को जमीन सेना से मिली थी। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट का कहना है कि किसानों से ली गई जमीन के बदले कुछ नहीं मिला। कुछ दिन पूर्व ही एयरपोर्ट प्रशासन ने अपनी जमीनों को सुरक्षित करने के लिए बाउंड्री बनानी शुरू कर दी। इस पर किसान विरोध में उतर आए। बड़ी संख्या में किसानों ने सरोजनीनगर तहसील में धरना देना शुरू कर दिया।

जेलर को धमकाने के मामले में मुख्तार अंसारी दोषी करार, हाईकोर्ट ने सुनाई 2 साल की सजा

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने जेलर को जान से मारने की धमकी देने के मामले में माफिया से नेता बने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी को बुधवार को दोषी करार देते हुए दो साल कैद की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील को मंजूर करते हुए पारित किया। मामले के मुताबिक वर्ष 2003 में लखनऊ के तत्कालीन जेलर एसके अवस्थी ने आलमबाग थाने में अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि जेल में मुख्तार अंसारी से मिलने आए लोगों की तलाशी लेने का आदेश देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। अवस्थी ने यह भी आरोप लगाया था कि अंसारी ने उन्हें अपशब्द कहते हुए उन पर पिस्टल भी तान दी थी। इस मामले में निचली अदालत ने अंसारी को बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सरकार ने अपील दाखिल की थी।

नेशनल स्पोर्ट्स एवार्ड के लिए आवेदन तिथि 27 सितम्बर तक बढ़ी

लखनऊ। केन्द्रीय खेल एवं युवा कल्याणा मंत्रालय द्वारा नेशनल स्पोर्ट्स एवार्ड–2022 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 सितम्बर से बढ़ाकर 27 सितम्बर कर दी गई है। पूर्व निर्धारित तिथि के अंदर आवेदन–पत्र जमा करने वाले महानुभावों को पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन एवार्ड, द्रोणाचार्य एवार्ड, राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार तथा मौलान अबुल कलाम आजाद ट्राफी पुरस्कार के लिए खिलाड़ी, प्रशिक्षक तथा संस्थाएं ऑनलाइन पोर्टल कइजलें–चवतजे.हवअ. पद पर 27 सितम्बर तक आवेदन कर सकती हैं। ऑनलाइन आवेदन करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर आवेदक ट्रोलफ्री नं0–1800–202–5155/1800–258–5155 पर सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 08 बजे से रात्रि 08 बजे तक सम्पर्क भी कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के तहत व्यापारियों ने किया, रक्तदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस सप्ताह के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता एवं लोहिया ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. वी के शर्मा की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा आदर्श व्यापार मंडल सदैव समाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेता आया है, दूसरों की जिंदगी बचाने में सहायक होना वास्तव में भाग्य की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन सभी भारत वासियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। साथ ही लोगों से भी रक्तदान करने की अपील की।

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने रक्तदान करने वाले पदाधिकारियों एवं व्यापारियों को प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन भी किया। इस रक्तदान शिविर मे संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, लखनऊ उपाध्यक्ष डॉक्टर साकेत चतुर्वेदी, ट्रांस गोमती प्रभारी मनीष पांडे, अध्यक्ष अनिरुद्ध निगम ,आरती सिंह, अर्जुन अग्नि,राजकुमार,संजय सोनी ,सूर्या यादव ,पंकज यादव, मोहित ,ओम प्रकाश सहित कई लोग मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय विद्यालयी हैण्ड बाल प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। जनपदीय विद्यालयी अण्डर 14 व अण्डर 19 हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। बालक–बालिकाओं दोनो के लिय इस जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन चौक स्थित काली चरण इण्टर कालेज में किया जा रहा है। प्रतियोगिता 28 सितम्बर को प्रातः 8;30 बजे से आरंभ होगी व समापन 29 सितम्बर को होगा। काली चरण इण्टर कालेज के शारीरिक शिक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में जनपद लखनऊ के सभी विद्यालयों की टीमें प्रतिभाग कर सकती है। सभी स्कल अपनी टीम के खिलाड़ियों के पात्रता प्रमाण–पत्र छः–छः प्रतियों में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से प्रति–हस्ताक्षरित करा कर प्रतियोगिता में भाग ले सकते ह।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की उठ रही मांग को न सुनना हठधर्मिता

लखनऊ। इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रों की उठ रही मांग को न सुनना हठधर्मिता है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 400 फीसदी फीस वशद्धि को वापस लेने की मांग पर जारी छात्रों के आंदोलन की मांग पर विश्वविद्यालय प्रशासन गौर करे और विश्वविद्यालय प्रशासन व मानव संसाधन विकास मंत्रालय को वार्ता करके इसे हल करना चाहिए।

आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमों को लेकर वेल में आए सपाई, जमकर हुई नारेबाजी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा में मानसून सत्र का आज तीसरा दिन चल रहा है। इस दौरान सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमों के मामले को लेकर सपा नेता विधान परिषद के वेल में आ गए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सपाइयों का कहना था कि भाजपा आजम खां का उत्पीड़न कर रही है। उन्होंने सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की। विधानमंडल सत्र के तीसरे दिन की कार्रवाई के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने विधायकों के साथ सदन पहुंचे। बता दें कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी के वरीष्ठ नेता एवं विधायक आजम खान पर आए दिन हो रहे नए मुद्दों को लेकर बहुत डरे हुए हैं। वहीं, उन्होंने अपने इस डर के चलते विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन यानी आज विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के सामने कहा कि उन्हें इस बात का डर है कि कहीं आजम खान की यूनिवर्सिटी से कोई बम या फिर एके–47 राइफल न बरामद कर ली जाए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश से सदन में कहा कि 'सदन के बहुत ही वरिष्ठ नेता आजम खान साहब की यूनिवर्सिटी को घेर लिया और ये पहली बार नहीं घेरा गया है। अध्यक्ष महोदय, लगातार घेर रहे हैं और इस बार तो तैयारी ये है कि कहीं कुछ ऐसा न हो जाये जैसे एक बम रख दिया या फिर एके–47 रख दी। हो सकता है कि आजम खान साहब के यहां ये सब झूठी चीजें रख दी जायें और मुकदमा दर्ज कर लिया जाये। अध्यक्ष महोदय, चाहता हूं कि इस पर कम से कम कुछ हो जाये।' दरअसल अखिलेश यादव मॉनसून सत्र के दूसरे दिन यानी कल सदन में प्रतापगढ़ के उस छात्र का मामला उठाया था, जिसने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के काफिले को काला झंडा दिखाने की हिम्मत की थी। जिसके बाद उस छात्र के गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया था, लेकिन इसके बाद ही उसके घर से पांच देसी बम भी बरामद किये गये थे।

आज विधानमंडल सत्र का पूरी दिन महिला सदस्यों के नाम

लखनऊ। यूपी के विधायी इतिहास में गुरुवार को एक नया अध्याय जुड़ेगा। मौजूदा विधानमंडल सत्र का एक दिन पूरी तरह दोनों सदनों की महिला सदस्यों के नाम रहेगा। देश में इसे अपनी तरह का पहला प्रयोग माना जा रहा है। इससे ठीक पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा और विधान परिषद की सभी महिला सदस्यों को एक पत्र और फोल्डर भेजकर अनूठी पहल की। इसमें महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति के साथ ही अन्य तमाम योजनाओं का ब्योरा है। विधानसभा हो या विधान परिषद दोनों सदनों में गुरुवार को सिर्फ महिला सदस्य ही अपने मुद्दे उठाएंगी। पीठासीन अधिकारी की भूमिका में भी वही होंगी। इस ऐतिहासिक अवसर से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 47 महिला विधायकों और 6 महिला विधान परिषद सदस्यों को लिखा पत्र चर्चाओं में है।

अखिलेश ने राजू श्रीवास्तव के निधन पर जताया दुख

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राजू श्रीवास्तव एक गरीब परिवार से आए और अपनी मेहनत व प्रतिभा के दम पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। अखिलेश ने याद किया जब राजू सपा में थे और कानपुर से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। बता दें कि सबको हंसाने वाले मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव दुनिया को अलवीदा कह गए हैं। 58 साल के राजू श्रीवास्तव ने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली है। बता दें कि 10 अगस्त को दिल का दौरा पड़ने के बाद से एम्स में भर्ती थे। उन्हें उस समय हार्ट अटैक आया था, जब वो दिल्ली के एक जिम में एक्सरसाइज कर रहे थे।

राजू श्रीवास्तव का जन्म उत्तर प्रदेश के कानपुर में 25 दिसंबर 1963 को हुआ था। बचपन में उनका नाम सत्य प्रकाश श्रीवास्तव था। राजू को बचपन से ही मिमिक्री और कॉमेडी का बहुत शौक था।

पद्मश्री प्रो. रामयत्न शुक्ल के निधन पर सीएम योगी और भूपेन्द्र ने जताया शोक

लखनऊ। विद्वत्परिषद् के अध्यक्ष प्रो. रामयत्न शुक्ल के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रो. शुक्ल का मंगलवार को देर रात निधन हो गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी शोक संदेश में योगी ने कहा कि पद्मश्री से सम्मानित प्रो. रामयत्न शुक्ल संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान थे। संस्कृत भाषा तथा पारम्परिक शास्त्रों के संरक्षण व संवर्धन में सम्पूर्ण जीवन लगाने वाले प्रो. शुक्ल सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के व्याकरण विभाग के अध्यक्ष तथा संकाय प्रमुख रहे। उन्हें संस्कृत वांग्मय के अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। प्रो. रामयत्न शुक्ल के निधन से संस्कृत भाषा और साहित्य को अपूरणीय क्षति हुई है। योगी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए प्रो. शुक्ल के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ''संस्कृत के प्रकांड विद्वान, काशी विद्वत्परिषद् के अध्यक्ष'पद्म श्रीश्रो. रामयत्न शुक्ल जी का निधन शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक जगत की अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्री राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें। ओमः शांति। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने भी प्रो. शुक्ल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ''पद्मश्री से सम्मानित प्रो. रामयत्न शुक्ल जी काशी विद्वत परंपरा के यशस्वी संवाहक आचार्य थे। उनका गोलोकवास अत्यंत पीडादायक है व काशी की विद्वत परंपरा की महनीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनको अपने चरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार तथा शुभ चिंतकों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

प्रेम प्रपंच में पड़कर किशोरी ने 12 वर्षीय भाई की कर दी हत्या

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के बंडौ गांव की बस्ती में 12 वर्षीय बालक की गला दबाकर हत्या कर दी गयी. बुधवार की सुबह घर के पास शेड में बच्चे का शव मिलने से सनसनी फैल गई।

प्रयागराज के नैनी औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के बंडौ गांव की बस्ती में 12 वर्षीय बालक की गला दबाकर हत्या कर दी गयी. बुधवार की सुबह घर के पास शेड में बच्चे का शव मिलने से सनसनी फैल गई। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद जब पुलिस ने हत्याकांड का पर्दाफाश किया तो सभी हैरान रह गए। जांच में पता चला कि लड़के की हत्या उसकी बड़ी नाबालिग बहन ने की थी। बहन ने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर छोटे भाई का गला घोंट दिया। सगे भाई को सुला दिया ताकि वह अपनी बहन की हरकत किसी को न बता सके। बेदून गांव के गांव में रहकर खेती कर परिवार का पालन–पोषण करने वाले किसान के दूसरे बेटे का शव बुधवार सुबह घर के पास मिट्टी में मिला. 12 साल के बच्चे की हत्या को लेकर बवाल हो गया। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंचे। गले पर चोट का निशान था, इसलिए आशंका जताई जा रही है कि गला घोंटा गया है। दोपहर बाद जब पोस्टमार्टम कराया गया तो गला घोंटकर मौत की पुष्टि हुई।पुलिस ने परिजनों से पूछताछ शुरू की तो पता चला कि रात में लड़के को उसकी बड़ी बहन मिट्टी में ले गई। इसके बाद पंद्रह वर्षीय बहन से पूछताछ शुरू हुई। वह पुलिस के सवालों का जवाब नहीं दे पाई।

पुलिस ने गांव में रहने वाले उसके प्रेमी के घर पर छापेमारी की. पकड़े जाने पर वह भी नाबालिग निकला। इसके बाद हत्या की पूरी कहानी सामने आई। सीओ करछना अजीत प्रताप सिंह के मुताबिक पंद्रह वर्षीय लड़की का गांव के ही एक नाबालिग लड़के से प्रेम प्रसंग था.किशोरी के भाई ने कुछ ऐसा देखा जिससे वे डर गए। मंगलवार की रात बड़ी बहन भाई को कब्र पर ले गई।

जनेश्वर मिश्र पार्क में मिला युवक का शव, एक बार फिर खुली सुरक्षा की पोल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार थाना क्षेत्र स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क की झील में बुधवार को एक युवक का शव मिला। वहां घूमने आने वालों ने शव पानी में उतराता देख सुरक्षा कर्मियों को सूचना दी। पुलिस मृतक का शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। गोमतीनगर विस्तार थाना पुलिस बुधवार दोपहर जनेश्वर मिश्र पार्क स्थित झील से एक युवक शव निकाला। कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने युवक के शिनाख्त का प्रयास किया, लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 25 साल है। उसके शरीर पर बनियान और लोअर पहने था। झील के पास एक शर्ट भी रखी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पहचान के आधार पर कई तथ्य सामने आएंगे। युवक के झील में कूद कर आत्महत्या और हादसे के बिंदु पर जांच की जा रही है। थाना पुलिस के मुताबिक युवक की शिनाख्त के लिए पार्क और आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। जिससे उसकी शिनाख्त की जा सके। वहीं सुरक्षा गार्डों से भी इस विषय में पूछताछ की गई। वह इस विषय में कुछ भी नहीं बता पाए। पार्क में रात में कोई भी अंदर आता है या रुक जाता है, इसकी सुरक्षा कर्मियों को भनक तक नहीं लगती। पार्क में मार्निंग वॉक के साथ पूरे दिन लोगों का आना–जाना लगा रहता है। इसके बाद भी यहां इस तरह की घटना सुरक्षा कर्मियों की लापरवाही का नतीजा है। पार्क में इससे पहले 8 अप्रैल 2022 को भी एक महिला का शव झील में मिला था। जिसकी अगले दिन सआदतगंज निवासी फराज की पत्नी परहाना अहमद के रूप में हुई थी।

उपमुख्यमंत्री पाठक ने नेता प्रतिपक्ष की भाषा को सड़कछाप बताया सदन से सपा का बर्हिगमन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि 'विपक्षी दल के नेता की भाषा सड़कछाप से भी बदतर है।' उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को लूट का अड्डा बना दिया था। वहीं, पाठक के बोलना शुरू करते ही सपा के सदस्य सदन से बाहर चले गए। विधानसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के बाद स्वास्थ्य महकमा संभाल रहे उप मुख्यमंत्री पाठक ने अध्यक्ष की अनुमति लेकर मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देना शुरू किया, जिसपर सपा सदस्यों ने आपत्ति की। सपा सदस्यों का कहना था कि जब इस मामले पर नेता सदन (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) बोल चुके हैं और नियम–56 का मामला अग्राह्य हो गया है तो उप मुख्यमंत्री के बोलने का कोई औचित्य नही है। इसपर, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि कार्यसूची में है कि मंत्री अपना वक्तव्य देंगे। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सदन की परंपरा है कि कोई मंत्री अपनी बात रख सकता है और जब अध्यक्ष ने अनुमति दे दी है तो व्यवधान नहीं करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने हस्तक्षेप करते हुए व्यंग्य किया कि नेता सदन ने जानकारी तो दे दी लेकिन हो सकता है कि कल उप मुख्यमंत्री कहीं छापा मारने गये हों। उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री बोल चुके तो क्या बात है कि उप मुख्यमंत्री बोलना चाह रहे हैं, क्या उप मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री में तालमेल नहीं है? इसके बाद जब पाठक बोलने के लिए खड़े हुए तो यादव ने सदन से बहिर्गमन का ऐलान किया और सपा सदस्य अपनी सीट से उठकर चले गये। इसके पहले सपा के वरिष्ठ सदस्य रविदास मेहरोत्रा उप मुख्यमंत्री के विरोध में आपत्तिजनक नारे लगाने लगे, जिसपर पाठक ने उन्हें डपट दिया। पाठक ने कहा, ''मैं जानता था कि ये लोग भागेंगे क्योंकि इनके अंदर सच सुनने की क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं उनके आरोपों का बिंदुवार खंडन करूंगा क्योंकि नेता विरोधी दल ने जनता को गुमराह किया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सपा की सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को लूट का अड्डा बना दिया था। बेहद तीखे शब्दों में यादव पर पलटवार करते हुए पाठक ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की की भाषा सड़क छाप से भी बदतर भाषा है और उन्होंने जिस भाषा का इस्तेमाल किया है समय आने पर उत्तर प्रदेश की जनता इन्हें जवाब देगी। पाठक ने कहा, ''जब से मैंने शपथ ली 272 अस्पताल का निरीक्षण कर चुका हूं और हर अस्पताल में जाऊंगा और निरीक्षण करूंगा।'' उन्होंने यादव पर वातानुकूलित कमरों से बाहर नहीं निकलने का भी आरोप लगाया। पाठक ने यादव द्वारा स्वास्थ्य विभाग को बजट न मिलने का आरोप लगाये जाने पर आंकड़ों के साथ बताया कि स्वास्थ्य विभाग में उनकी सरकार में कितना बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि 2016 में (सपा सरकार) स्वास्थ्य विभाग का बजट 14811 करोड़ रुपये था लेकिन 2022 में स्वास्थ्य विभाग का बजट 19165 करोड़ रुपये है।

नगर निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों ने मांगों को लेकर दिया धरना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के द्वारा हजरतगंज स्थित लालबाग नगर निगम मुख्यालय पर अपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि निकाय कर्मचारियों की सेवा संबंधी एवं अन्य समस्याओं का समाधान प्रदेश सरकार व शासन द्वारा नहीं किया जा रहा है। जिसको लेकर नगर निगम मुख्यालय पर धरना दिया गया। हमारी मांग हैं कि वर्ष (2001) के बाद दैनिक वेतन ,संविदा, कार्यदायी संस्था के माध्यम से सफाई कर्मचारी व अन्य कार्यरत कर्मचारियों को उनके पद के अनुरूप न्यूनतम वेतनमान, सेवा सुरक्षा एवं स्थायीकरण की नीति बनाई जाए। राज्य कर्मचारियों पर लागू की गई, पंडित दीन दयाल उपाध्याय कैशलेस इलाज की सुविधा से स्थानीय निकाय कर्मचारियों को भी आच्छादित किया जाय।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर चयनित अभ्यर्थियों को आफर लेटर किये वितरित

28 निजी अधिष्ठानों में 1208 अभ्यर्थियों का चयन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महुँआमऊ बाराबंकी के परिसर में 21 सितंबर 2022 को 'मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना' के अन्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बाराबंकी तथा उ0प्र0 कौशल विकास मिशन एवं जिला सेवायोजन कार्यालय, बाराबंकी के संयुक्त प्रयास से एक बश्हद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें आई0टी0आई0 की तरफ से सम्मिलित कुल 09 निजी अधिष्ठानों में प्रतिभागित 591 अभ्यर्थियों में से 312 का चयन परीक्षा/साश्रात्कार के माध्यम से हुआ। तथा जिला सेवायोजन कार्यालय की तरफ से सम्मिलित कुल 09 निजी अधिष्ठानों में प्रतिभागित 1061 अभ्यर्थियों में से कुल 409 का चयन किया गया। इसी प्रकार उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, बाराबंकी की तरफ से सम्मिलित कुल 10 निजी अधिष्ठानों में कुल प्रतिभागित 962 अभ्यर्थियों में से 487 का चयन किया गया। इस प्रकार आज के इस वश्हद रोजगार मेले में कुल सम्मिलित 28 निजी अधिष्ठानों में प्रतिभागित कुल 2614 अभ्यर्थियों में से 1208 अभ्यर्थियों का चयन परीक्षा/साश्रात्कार के माध्यम से हुआ। कम्पनियों के एच0आर0 द्वारा सभी चयनित अभ्यर्थियों को एक सप्ताह में कम्पनी में ज्वाइंन करने हेतु बुलाया गया है। मेले का शुभारम्भ जनपद के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, डी0आर0डी0ए0 बाराबंकी मनीष कुमार द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया। उन्होंने मेले में सम्मिलित सभी निजी अधिष्ठानों एवं प्रतिभागित प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए चयनित अभ्यर्थियों को आफर लेटर वितरित किये तथा इस महान कार्य के लिए निजी अधिष्ठानों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी चन्द्रचूड़ दुबे द्वारा मेले को सम्बोधित करते हुए सभी चयनित/गैर चयनित अभ्यर्थियों की कैरियर काउन्सलिंग की गयी। अन्त में प्रधानाचार्य जी द्वारा सभी निजी अधिष्ठानों का आभार व्यक्त किया तथा सभी चयनित प्रशिक्षार्थियों को चयन पत्र वितरित किये। इस अवसर पर सेवायोजन कार्यालय से आये सेवायोजन अधिकारी सर्वश्री देववत्त, सुनील कुमार, सुग्रीव चन्द्र, राधिका श्रीवास्तव तथा कौशल विकास मिशन से नन्दन कुमार पाण्डेय, इन्द्रजीत एवं अनुज कुमार के साथ आई0टी0आई0 संस्थान से प्लेसमेंट प्रभारी (टीसीपीओ) एल0एस0 शुक्ल, राम सजीवन, हरविन्दर सिंह, शोशीराम, गनेश प्रसाद, बच्छराज कार्यदेशक के साथ हरिनाम प्रसाद, अंकुर अस्थाना, विवेक कुमार, पंकज वर्मा, उबैदुल्लाह खान, विपेन्द्र कुमार भारती, आशुतोष कुमार यादव, अभिषेक प्रकाश श्रीवास्तव, दीपक मिश्रा, रामसिंह, राजविजय, मनोज कुमार, नीरज पाण्डेय, तूफान सिंह, दीपक शर्मा, अर्पित गुप्ता, संदीप वर्मा, मनीष वर्मा, प्रवीन कुमार, अखिलेश वर्मा, विकास शर्मा, श्याम नारायण पाण्डेय एवं पंकज सिंह (भण्डारी) आदि ने मेले में सहयोग प्रदान किया। मीडिया प्रभारी प्रीतम सिंह अनुदेशक द्वारा फोटोग्राफी एवं फीडिंग की गयी। श्री अभय कृष्ण यादव अनुदेशक द्वारा रोजगार मेले का संचालन किया गया।

पूर्व विधायक ने लेखपाल पर किया हमला,भागकर बचाई जान

बहराइच। बहराइच में जमीन की पैमाइश करने पहुंचे लेखपाल पर पूर्व विधायक ने अपने समर्थकों के साथ हमला कर दिया। लेखपाल ने भागकर अपनी जान बचाई। लेखपाल की शिकायत पर पुलिस ने पूर्व विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामला खैरीघाट थाना क्षेत्र के बेबाही गांव का है। यहां रास्ते और होलिका दहन की जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है। ग्रामीणों की शिकायत पर लेखपाल जमीन की पैमाइश करने पहुंचे। तभी सपा से पूर्व विधायक दिलीप वर्मा अपने समर्थकों के साथ गांव पहुंच गए। आरोप है कि पूर्व विधायक ने पैमाइश करने से रोकने लगे। लेखपाल ने बताया, मैंने और ग्रामीण छब्बेलाल मौर्य ने विरोध किया तो पूर्व विधायक ने मारने के लिए दौड़ा लिया। इससे जमीन की पैमाइश भी नहीं हो सकी। मैंने और ग्रामीण ने भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने लेखपाल और छब्बेलाल की तहरीर पर पूर्व विधायक और अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक निखिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच की जा रही है।

योगी मंदिर में अमित जानी ने चढ़ाया चांदी का छत्र

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या शहर में भरतकुंड के पास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मंदिर बनाया गया है। मौर्या का पुरवा गांव के निवासी प्रभाकर मौर्य (32) ने 8.56 लाख रुपए की लागत से यह बनवाया है। इसमें योगी को राम के अवतार में दिखाया गया है। मूर्ति के हाथ में धनुष और तीर भी थमाया गया है। मंदिर में लोगों की भीड़ लगने लगी है। भास्कर की खबर देखने के बाद प्रदेश नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित जानी योगी कें मंदिर पहुंचकर सवा किलो चांदी का छत्र चढ़ाया है। बसपा के पूर्व प्रत्याशी गगन कम्बोज ने भी योगी मंदिर पहुंचकर आरती उतारी है। उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित जानी बुधवार को मौर्या का पुरवा गांव पहुंचे। जहां उन्होंने योगी मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान उन्होंने एक सवा किलो चांदी का छत्र भी चढ़ाया। अमित जानी ने कहा कि अयोध्या श्री राम की नगरी है। श्री राम भी मानव रूप मे ही जनकल्याण हेतु धरती पे आये थे। वे पुरुषों मे उत्तम थे, इसीलिए उनको पुरुषोत्तम कहा गया है। योगी आदित्यनाथ भी नेताओं और राजपुरुषों मे उत्तम है।

हम गुरु के रूप मे गोरखनाथ, बालकनाथ , संत कबीर, संत रैदास को आदर्श मानते है। बुद्ध भी क्षत्रिय राजकुमार थे, जनकल्याण मे जीवन लगा देने के बाद वे भी भगवान कहलाए। कोई व्यक्ति यदि योगी जैसे संत को मंदिर मे स्थापित कर रहा है तो इसमें कुछ भी धर्म विरोधी नहीं है। योगी क्षत्रिय है, धनुष बाण क्षत्रियोंका आभूषण है। धनुष यदि योगी के हाथ मे नही होगा तो क्या आजम खान , मुख्तार अंसारी जैसे दानवों के हाथ में होगा ? अमित जानी ने कहा कि वे योगी को कलयुग का अवतार ही मानते है। जिन्होंने गौरक्षा, धर्म रक्षा मे जीवन लगा दिया। उत्तर प्रदेश की असुरी शक्तियों को ठिकाने लगाने मे उनकी बड़ी भूमिका है। उनके आने से दानवों में खलबली है। यही रामराज्य की पराकाष्ठा है। अमित जानी ने इस मौके पे सपा मुखिया पे तंज किया कहा कि योगी जी के मंदिर का निर्माण हो गया तो अखिलेश क्यो चिड़ गये? उनके भी बहुत समर्थक है जो उनके नाम से पू मदरसा इस्लामिया या औरंगजेब मदरसा बना सकते है।

संक्षिप्त खबरे

अयोध्या कोतवाल अश्विनी पाण्डेय लाईन हाजिर,कोतवाली में चली गोली बनी कारण

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या के प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार पांडेय लाईन हाजिर कर दिए गए हैं। एसएसपी प्रशांत वर्मा समेत कुछ विभागीय अधिकारी उनसे लगातार असंतुष्ट चल रहे थे, नर सिंह मंदिर में बम विस्फोट के बाद मंगलवार को अयोध्या कोतवाली के मालखाने में 9 एमएम पिस्टल से चली गोली बड़ी वजह मानी जा रही हैस नर सिंह मंदिर प्रकरण में पुलिस की लापरवाही की गूंज लखनऊ के गलियारों में हुईस यलो जाने में बम विस्फोट की घटना को लेकर विभाग की जमकर किरकिरी हुईस मालखाने का चार्ज हैंड ओवर करते समय 9 एमएम की पिस्टल से चली गोली एक आरक्षी और एक अधिवक्ता भी घायल हो गए थे, इस मामले में दोषी मुख्य आरक्षी को कल ही निलंबित कर दिया गया था,एसएसपी ने अयोध्या जैसे संवदेन शील कोतवाली की नई कमान मनोज कुमार शर्मा को सौंपी हैस दीपोत्सव, नवरात्र और दशहरा आदि पर्व को देखते हुए कानून व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए यह बदलाव माना गया हैसइस बीच राम की पैड़ी से जुड़ी लक्ष्मण घाट पुलिस चौकी फिर खाली हो गई है, यहां चौकी इंचार्ज बदलकर कर कैंट से एसआई जगन्नाथ मणि त्रिपाठी को कल ही भेजा गया थाससूत्रों के अनुसार उनकी ड्यूटी विधानसभा सत्र में लगाए जाने से चौकी खाली है।

मंदिर के जीर्णोद्धार को बच्चों ने दिया दान

बस्ती। रुधौली के गांधी नगर वार्ड में पुराने षिव मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए महेष प्रताप इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने 21 हजार रुपये का दान दिया है। बच्चों ने यह रकम चंदा इकठ्ठा कर दी है। बच्चों की यह पहल क्षेत्र में चर्चा का विशय बनी हुई। प्रधानाचार्य राम सुभाश वर्मा ने कहा कि यह मंदिर नगर पंचायत का बहुत पुराना मंदिर है। नगर वासियों के सहयोग से इस मंदिर की देखरेख की जाती है। मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए विद्यालय के छात्र–छात्राओं में उत्साह देखा गया। छात्र–छात्राओं के सहयोग से बुधवार को मंदिर के प्रबंध कमेटी को मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 21 हजार रुपये का सहयोग किया गया। प्रबंध कमेटी में लक्ष्मी पासवान, सन्नी मोदनवाल और गौरीशंकर षामिल रहे।

मन्दिर के जीर्णोद्धार के लिए दान देते समय जोखनप्रसाद षर्मा, लालता प्रसाद, पतियुगी नाथ यादव, सन्तोश पाण्डेय, परमानन्द दूबे, जय प्रकाष पांडे, योगेष्वर षुक्ला, माधव प्रसाद उपाध्याय, महेन्द्र त्रिपाठी, विजयलक्ष्मी और रीता देवी आदि रहे।

दो गांवों में मारपीट, दो गिरफ्तार

बहराइच। रिसिया इलाके के कदियापुर व गुलरिया में मंगलवार शाम मारपीट की वारदातें हुईं। पुलिस ने इन मामलों में दो को दबोच लिया। आरोपियों पर शांतिभंग की कार्रवाई कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया है। रिसिया थाने के गुलरिया गांव में मंगलवार शाम अतीउल्ला खान बवाल काटकर लोगों से मारपीट कर रहा था। इसकी भनक लगते ही दरोगा दीपक सिंह ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसी थाने के सैदा जिगरिया के मजरे कदियापुर में मंगलवार शाम भूमि विवाद को लेकर लालू प्रसाद यादव मारपीट कर रहे थे। सूचना पर दरोगा ओमवीर सिंह ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। एसएचओ इंद्रजीत यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध शांतिभंग की कार्रवाई कर एसडीएम कोर्ट पर पेश किया गया है।

28 लाख की स्मैक बरामद, एक गिरफ्तार

बहराइच। दरगाह थाने की पुलिस ने बड़ी तकिया बगिया से एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 28 लाख आंकी गई है। एसएसपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि दरगाह एसएचओ मनोज कुमार सिंह यादव को मंगलवार शाम सूचना मिली कि बड़ी तकिया बगिया के आस–पास कोई तस्कर नशेड़ियों को स्मैक बिक्री कर रहा है। एएसपी सिटी कुंवर ज्ञानन्जय सिंह व सीओ सिटी विनय कुमार द्विवेदी के पर्यवेक्षण में दरोगा अतुल कुमार वर्मा, मुख्य सिपाही संतराम सिंह, सिपाही सुबोध, राम ललित ने बड़ी तकिया बगिया से एक संदिग्ध को पकड़ा और तलाशी ली। उसके पास से 28 ग्राम स्मैक बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इसी थाने के मंसूरगंज निवासी राजू उर्फ बिल्ला के रूप में हुई। गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है।

छात्र-छात्राओ ने पीएम मोदी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी देखी

बस्ती। प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित 'कहानी भारत माता के सच्चे सपूत की' विशयक चित्र प्रदर्शनी का एसपी आशीष श्रीवास्तव ने अवलोकन किया। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल मेमोरियल, टाउनक्लब में आयोजित चित्र प्रदर्षनी देखने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री के जीवन परिचय की यह झांकी आने वाली युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त नागरिक उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देषप्रेम, त्याग एवं बलिदान की महत्ता को समझेंगे। इसे अपने जीवन में आत्मसात करेंगे।

दिन में फसल चट कर रहे मवेशी, रात में सड़कों पर फरमाते हैं आराम

बस्ती। एक सप्ताह तक चले छुट्टा मवेषियों को पकड़ने का अभियान बेअसर रहा। सीडीओ की गठित टीमें महज 85 मवेषियों को पकड़ पाईं। ये मवेशी दिन में फसल नष्ट करते हैं तो रात में सड़कों पर आराम फरमाते हैं। इससे हाईवे पर हादसे भी हो रहे हैं। फिर भी जिम्मेदारों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ रहा।

सांसद ने 37.250 किमी की 4343.24 लाख लागत के तीन मार्गो का किया शिलान्यास

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। लोकसभा क्षेत्र बाराबंकी के अंतर्गत जैदपुर विधानसभा के विकास खण्ड सिद्धौर के ग्राम बीबीपुर में कोठी से जैदपुर रोड 9.850 कि०मी० (लागत 1093.26 लाख रूपये), विकास खण्ड हरख के वैशपुर तिराहे पर जैदपुर से सतरिख चिनहट रोड 17.00 कि०मी०, (लागत 1964.62 लाख रूपये) तथा भानमऊ चौराहे पर भानमऊ सलेमपुर घाट वाया चकसार रोड 10. 400 कि०मी० (लागत 1285.36 लाख रूपये) के निर्माण कार्य का शिलान्यास जिले के सांसद उपेन्द्र सिंह रावत के कर कमलो द्वारा किया गया। सांसद श्री रावत ने आयोजित तीनों शिलान्यास कार्यक्रमों को अलग अलग सम्बोधित करते हुए कहा कि उक्त सडकों के प्रस्ताव मेरे द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत चयनित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी को भेजे गये थे। जिसके क्रम में इन मार्गो का चयन प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में हुआ है। इन मार्गों का निर्माण नई तकनीकी एफडीआर से बनाया जायेगा। जिले में पहली बार इस तकनीकी से सड़क बनेगी। फुल डेप्थ रिक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीकी में पुरानी सड़क के पूरे क्रस्ट का दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। गिट्टी की जरुरत नहीं पड़ती। इसमें सड़क का निर्माण तेजी से होता है विशेष मशीनों से सीमेंट और क्रस्ट आदि को मिलाकर सड़क बनती है। इन सडको के बन जाने से क्षेत्र के लोगों को अवागमन में काफी सुविधा होगी। इस तरीके की लोकसभा क्षेत्र की 17 अन्य सड़के भी मेरे द्वारा स्वीकृत करायी गयी है जिनका शिलान्यास जल्द ही मेरे द्वारा किया जायेगा।

वार्डबॉय के भरोसे चल रहा है प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटवा सड़क में अव्यवस्थाओं का बोलबाला चिकित्सक की तैनाती होने के बावजूद गैर हाजिर रहते है।वार्डबॉय के भरोसे अस्पताल चल रहा है। फार्ममेसिस्ट भी समय से नहीं आते है। जिससे मरीजों को वार्डबॉय से इलाज कराना पड़ता है। खास बात है कि इस अस्पताल की दूरी बनीकोडर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से महज आठ किलोमीटर है। यहां प्रतिदिन 40 से 50 मरीजों की ओपीडी होती है। बावजूद इसके पीएचसी प्रभारी स्वाति श्रीवास्तव हफ्ते में कभी कभार ही आती है। मरीजों को देखने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही हैं। डॉक्टर के न होने पर मरीजों को सही परामर्ष व दवाएं नहीं मिल पाती हैं। ऐसे में यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों का दर्द कम होने के बजाय बढ़ जाता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटवा सड़क में 11 बजे चिकित्सक की कुर्सी खाली मिली।

एसपी ने 197 पुलिसकर्मियों का किया तबादला, बोले, कानून व्यवस्था में होगी सुधार

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने 197 पुलिसकर्मियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किए हैं। 4 उपनिरीक्षक,39 मुख्य आरक्षी समेत 154 पुलिस कर्मियों का एसपी ने तबादला किया है। उपनिरीक्षक धर्मवीर सिंह को थाना नवाबगंज से लाइन,उपनिरीक्षक सुशील कुमार को थाना उमरी बेगमगंज से पुलिस लाइन,उपनिरीक्षक सुरेश मणि मिश्रा को वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना छपिया से पुलिस लाइन,उपनिरीक्षक राम मणि उपाध्याय को थाना खोडारे से पुलिस लाइन तबादला किए हैं। मुख्य आरक्षी मुख्य आरक्षी यशवंत यादव को थाना कोतवाली नगर से पुलिस लाइन। बंका सिंह थाना कोतवाली नगर से पुलिस लाइन। अतुल सिंह थाना कोतवाली नगर से पुलिस लाइन। रामायण यादव थाना कोतवाली नगर से पुलिस लाइन। आनंद सिंह थाना कोतवाली देहात से पुलिस लाइन। भारत यादव थाना कोतवाली देहात पुलिस लाइन। धर्मेंद्र कुमार थाना कोतवाली देहात से पुलिस लाइन। राकेश यादव थाना खरगूपुर से पुलिस लाइन। शंभू तिवारी थाना खरगूपुर से पुलिस लाइन। बागीश दुबे थाना खरगूपुर से पुलिस लाइन। नागेंद्र यादव थाना कटरा बाजार से पुलिस लाइन, हरि नारायण तिवारी थाना कटरा बाजार से पुलिस लाइन, रामप्रवेश यादव थाना कौड़िया से पुलिस लाइन तबादला किया गया है महिला मुख्य आरक्षी गायत्री मिश्रा का महिला थाना से पुलिस लाइन, महिला आरक्षी संध्या चतुर्वेदी का थाना कोतवाली देहात से पुलिस लाइन, रितु यादव का महिला थाना से पुलिस लाइन, चंद्रप्रभा महिला थाना से पुलिस लाइन, संजू चौरसिया थाना नवाबगंज से पुलिस लाइन, बालिका यादव थाना वजीरगंज से पुलिस लाइन, पूनम देवी थाना वजीरगंज से पुलिस लाइन,अनुप्रिया सिंह थाना उमरी बेगमगंज से पुलिस लाइन। पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने बताया कि कानून व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के लिए थाने पर जमे पुलिस कर्मियों का पुलिस लाइन तबादला किया गया है। साथ ही पुलिस लाइन में जमे पुलिस कर्मियों का थानों पर तबादला किया गया है। इससे कानून व्यवस्था में सुधार होगी।

छात्राओं को दी महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी

बस्ती। रुधौली नगर पंचायत स्थित महेष प्रताप इंटर कालेज में बुधवार को छात्राओं को जागरूक किया गया। महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। बताया गया कि अपराध के खिलाफ आवाज उठाएं। ज्यादती होने पर इसकी सूचना पुलिस को दें। प्रभारी निरीक्षक रामकृश्ण मिश्र ने विद्यालय की छात्राओं को टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि नारी सषक्तिकरण अभियान व महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के प्रति महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090 वीमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन,112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एंबुलेंस सेवा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, थाने का सीयूजी नंबर 9454403122 के बारे में बताया गया।

सांसद लल्लू सिंह ने किया श्रमदान, चलाया फावड़ा

अयोध्या। अयोध्या में सांसद लल्लू सिंह ने पुंहपी,बीकापुर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत अमृत सरोवर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सफाई कार्य और श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि सेवा भारतीय संस्कृति का बहुत ही प्रभावशाली पक्ष है। इससे प्राप्त होने वाला सुख अमूल्य है। यह लोक कल्याण का प्रमुख साधन भी है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख दिनेश वर्मा, प्रख्यात कवि जमुना प्रसाद उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष राकेश पांडेय राना, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुनील मिश्रा, प्रधान मेवा लाल चौहान आदि की उपस्थित रही। इसके बाद सांसद लल्लू सिंह ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत बेनीगंज के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में वश्हद रोजगार मेला व नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित किया।

कॉलेज के प्रधानाचार्य विनोद कुमार बाजपेई ने बुके देकर सांसद लल्लू सिंह का स्वागत किया। इस दौरान सांसद ने छात्र–छात्राओं को पत्र वितरित किए। सांसद लल्लू सिंह ने लगभग 70 से अधिक नियुक्ति पत्र बांटे। सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा कौशल विकास मंत्रालय के आवाहन पर रोजगार मेला के माध्यम से आरटीआई में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमे बहुत सारी कंपनियां यहां पर आई हुई है जो यहां के छात्र छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराने क्या काम करेंगी। वही आईटीआई के प्रधानाचार्य विनोद कुमार बाजपेई ने बताया कि आज का दिन दिन अयोध्या जनपद के लिए बहुत ही शुभ है। इसमें नौजवान छात्र छात्राओं को रोजगार उपलब्ध होगा। मेले में बाहर की कंपनियां में बेंगलुरु, दिल्ली,गुड़गांव गाजियाबाद, नोएडा तथा कुछ जनपद की के एम शुगर मिल भी शामिल हुई।

अमृत महात्मा गांधी सप्ताह का उद्घाटन 01 अक्टूबर, समापन 07 अक्टूबर को होगा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती पर सन् 1978 से निरंतर आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की तैयारी बैठक गांधी भवन में गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट के संस्थापक राजनाथ शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। श्री शर्मा ने बताया कि अमृत महात्मा गांधी सप्ताह के दौरान केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का संभावित कार्यक्रम प्रस्तावित है। बैठक में उपस्थित गांधी जयन्ती समारोह (कार्यक्रम) के अध्यक्ष मो उमेर किदवाई ने बताया कि गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अर्न्तगत आगामी 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2022 तक अमृत महात्मा गांधी सप्ताह मना रहा है। जिसके अर्न्तगत गांधी भवन में सप्ताह भर विविध समसामायिक कार्यक्रम आयोजित हाते रहेगे। अमष्त महात्मा गांधी सप्ताह का उद्घाटन 01 अक्टूबर और समापन 07 अक्टूबर को होगा। उन्होंने बताया कि 01 अक्टूबर को अमष्त महात्मा गांधी सप्ताह को शुभारंभ होगा। 02 अक्टूबर को गांधी भवन में प्रातः 8 बजे रामधुन (गांधी भजन), प्रातः 9 बजे झण्डारोहण एवं व्याख्यानमाला आयोजित होगा। पूर्वान्ह 2 बजे गांधी जीवन दर्शन पर परिचर्चा एवं सामाजिक सहभागिता सम्मान तथा सायंकाल 6 बजे 44वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजित होगा। 03 अक्टूबर को कस्तूरबा गांधी और महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी का आयोजित होगी। 04 अक्टूबर को प्रातः 6:30 बजे पूर्व राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सलाउद्दीन किदवई द्वारा हॉकी टूर्नामेट, प्रातः 8 बजे स्वच्छता अभियान कार्यक्रम, पूर्वान्ह 01 बजे गांधी भवन में पूर्व कैरम खिलाड़ी परवेज अहमद द्वारा महात्मा गांधी स्मृति कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

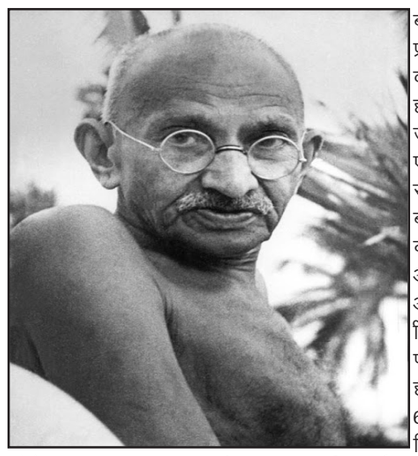

सेवा पखवाड़ा में भाजपाइयों का श्रमदान जारी 52 अमृत सरोवरों की सफाई के साथ पौधरोपण भी किया

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। पीएम मोदी के जन्मदिन पर शुरू हुए सेवा पखवाड़े के पाँचवे दिन भाजपाइयों का श्रमदान जारी रहा। सफाई के बाद अमृत सरोवर के किनारे पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। बुधवार को जिला अध्यक्ष शशांक कुसुमेश एवं सांसद उपेंद्र रावत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता जिले के अमृत सरोवरों की सफाई में जुटे रहे। सांसद उपेंद्र रावत ने सिद्धौर मण्डल के मुर्तजीपुर गाँव मे फावड़ा चलाया। उपस्थित लोगों को स्वच्छता के मायने समझाए। उन्हें सफाई के प्रति जागरूक भी किया। सांसद के साथ ग्रामीणों ने भी श्रमदान करके निर्माणाधीन अमृत सरोवर को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। उन्होंने सरोवर के एक तट पर पौधरोपण भी किया। जिला अध्यक्ष ने असैनी के अमृत सरोवर की सफाई का बीड़ा उठाया। उन्होंने बताया कि जिले के अमृत सरोवरों की सफाई के लिए कार्यकर्ताओं की 52 टोली बनाई गई थी। प्रत्येक टोली ने एक–एक अमृत सरोवर की सफाई के लिए पसीना बहाया। इस अवसर पर आशुतोष अवस्थी, डॉ अवधेश वर्मा, संजीव वर्मा, प्रवीन सिंह सिसौदिया, रामकुमार मिश्रा, लल्लू रावत, सुरजीत पाल, अनिल सिंह, प्रमोद कुमार, उपेंद्र द्विवेदी, भानु यादव, सन्तोष लोधी सत्यनाम वर्मा, सीता सरन वर्मा, शुशील जायसवाल मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़ा पर सांसद ने किया श्रमदान

बाराबंकी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के पांचवे दिन स्वच्छता अभियान अमृत सरोवरों के अंतर्गत आज विकास खण्ड सिद्धौर के ग्राम मुर्तजीपुर में जिले के सांसद उपेन्द्र सिंह रावत ने निर्माणाधीन सरदार बल्लभ भाई पटेल अमष्त सरोवर पर स्वच्छता अभियान चला कर साफ–सफाई का कार्य किया तथा श्री रावत ने फावड़ा चला कर मिटटी ढो कर श्रमदान किया। अमष्त सरोवर के परिसर में वक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर सुशील जायसवाल, आषुतोश अवस्थी, राम कुमार मिश्रा, प्रवीण सिंह सिसोदिया, सुरजीत पाल, लल्लू रावत, ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव सहित तमाम क्षेत्रवासी उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।